



Exotic

LOVELY & LAVISH VOL : 03

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

S4UTM
by
SHIVALI



Exotic 303

S4U
by
SHIVALI



Exotic 305

S4UTM
by
SHIVALI



श्रीभुक्तकृत-गोपवातवर्णने
वचर(१)लायामणि विदुस्त्व
आनन्दारश्रवणोपपिचं वरि-दुर्गसुच्यते । वरि-दुर्गसुच्यते । वरि-
ये गोरक्षय वाणिज्यं कुसीदं विना"मिति कुतश्च
मुनिव्या तत्र वयं गोवृत्तयो

Exotic 304

S4U
SHTVALLI



Exotic 306

संन्यः 'कुविभारदय
। वार्ता लुविषा तत्र
ब्रजराजं प्रति श्रीकृष्णवचने तपसा-
गो-विप्रेति श्रीभाककन-गोपवासवर्गिने

S4U
by
SHIVALI



Exotic 301

S4UTM
SHIVALI



Exotic 302



Exotic 301



Exotic 302



Exotic 303



Exotic 304



Exotic 305



Exotic 306

S4UTM
by
SHIVALI

Exotic

LOVELY & LAVISH VOL: 03